Summer Fields School
KAILASH COLONY, NEW DELHI-110048

शैक्षिक सत्र–2020–2021

विषय:–संस्कृत

कक्षा पांचवीं

धातु–परिचयः
(क्रिया)

क्रिया के आरम्भ से लेकर समाप्ति तक के काल को वर्तमान काल कहते हैं। जब हम कहते हैं कि ‘राम पुस्तक पढ़ता है या पढ़ रहा है’ तो पढ़ना क्रिया वर्तमान है अर्थात् अभी क्रिया समाप्त नहीं हुई।

सारांश—

किसी भी कार्य के करने या होने को क्रिया कहते हैं। क्रिया के मूलरूप को धातु कहते हैं। धातु के विभिन्न प्रयोगो को धातुरूप कहते हैं। जब धातु स्वतंत्र रूप से लिखी जाती हैं तो उनमें हलन्त लगाया जाता है। जैसे:— पठ् हस् लिख् आदि लेकिन धातुरूप लिखते समय हलन्त का लोप हो जाता है। जैसे:— पठ् का पठति । हस् का हसति। आदि।

लिंग के आधार पर धातु रूपों में कोई अंतर नहीं होता परन्तु वचन के अनुसार धातु रूप का प्रयोग बदल जाता हे। जैसे:– पठ् धातु को एकवचन में पठति ,द्विवचन में पठतः ,बहुवचन में पठन्ति आदि।

5 धातु–परिचयः
(क्रिया)

किसी भी कार्य के करने या होने को **क्रिया** कहा जाता है; जैसे–पढ़ना, लिखना, खेलना, हँसना आदि। संस्कृत में इन क्रियाओं को धातु कहते हैं तथा इनके विभिन्न प्रयोगों को धातु–रूप कहा जाता है; जैसे–'हस्' (हँसना) एक धातु है तथा 'हसति' (हँसता है) इसका एकवचन का रूप है। इसी प्रकार द्विवचन में हसतः (दो हँसते हैं) तथा बहुवचन में हसन्ति (सब हँसते हैं) रूप बनते हैं। नीचे कुछ धातुएँ दी गई हैं तथा उनके प्रथम पुरुष, एकवचन, द्विवचन और बहुवचन के रूप भी दिए गए हैं। धातु को '√' चिह्न से भी लक्षित किया जाता है; जैसे– √पठ् इत्यादि।

New Saraswati House (India) Private Limited

धातुः	अर्थः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
पठ्	पढ़ना	पठति (पढ़ता है।)	पठतः (दो पढ़ते हैं।)	पठन्ति (सब पढ़ते हैं।)

धातुः	अर्थः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
हस्	हँसना	हसति	हसतः	हसन्ति
धाव्	दौड़ना	धावति	धावतः	धावन्ति
खाद्	खाना	खादति	खादतः	खादन्ति

वद्	बोलना	वदति	वदतः	वदन्ति
दृश् (पश्य्)	देखना	पश्यति	पश्यतः	पश्यन्ति
नृत् (नृत्य्)	नृत्य करना	नृत्यति	नृत्यतः	नृत्यन्ति
रक्ष्	रक्षा करना	रक्षति	रक्षतः	रक्षन्ति

© New Sarasw
(India) Private Limited

नित्य प्रयोग में आने वाली कुछ अन्य धातुएँ हैं–

गम् (गच्छ्)	जाना	गच्छति	गच्छतः	गच्छन्ति
क्रीड्	खेलना	क्रीडति	क्रीडतः	क्रीडन्ति
लिख्	लिखना	लिखति	लिखतः	लिखन्ति
भू (भव्)	होना	भवति	भवतः	भवन्ति
अस्	होना	अस्ति	स्तः	सन्ति
पत्	गिरना	पतति	पततः	पतन्ति
नम्	नमस्कार करना	नमति	नमतः	नमन्ति
भ्रम्	घूमना	भ्रमति	भ्रमतः	भ्रमन्ति
दा (यच्छ्)	देना	यच्छति	यच्छतः	यच्छन्ति
पा (पिब्)	पीना	पिबति	पिबतः	पिबन्ति
कथ् (कथय्)	कहना	कथयति	कथयतः	कथयन्ति
कूज्	कूजना	कूजति	कूजतः	कूजन्ति

© New Saraswati House

सम्प्रति लेखनीयम्

1. चित्राणि दृष्ट्वा उचितं धातुं चिनुत।

(चित्रों को देखकर सही धातु छाँटिए। See the pictures and tick (✓) the correct root.)

(लिख्, पठ्, हस्)

(वद्, धाव्, हस्)

(धाव्, पत्, गम्)

2. निम्नलिखितक्रियाणां उचितधातुभिः सह मेलनं कुरुत।

(नीचे लिखी क्रियाओं और धातुओं को आपस में मिलाइए। Match the following verbs with appropriate roots.)

(क) लिखना	(*i*) धाव्
(ख) देखना	(*ii*) लिख्
(ग) भागना	(*iii*) पत्
(घ) खाना	(*iv*) दृश्
(ङ) गिरना	(*v*) खाद्

3. उचितं क्रियापदं चिनुत।

(उचित क्रिया पद चुनिए। Select the correct verb.)

(क) दो लिखते हैं।	(लिखतः, लिखन्ति)	(ख) सब हँसते हैं।	(हसति, हसन्ति)
(ग) पढ़ता है।	(पठतः, पठति)	(घ) नृत्य करते हैं।	(नृत्यन्ति, नृत्यतः)
(ङ) दो दौड़ते हैं।	(धावन्ति, धावतः)	(च) सब पीते हैं।	(पिबति, पिबन्ति)

© New Saraswati House (India) Private Limited

4. निम्नधातुरूपाणां हिन्दीभाषया उचितम् अर्थम् लिखत।

(निम्न धातु रूपों का हिंदी में उचित अर्थ चुनकर लिखिए। Choose and write the correct meaning of the verbs in Hindi.)

(क) कूजन्ति .... (कूजते हैं, उड़ते हैं, तैरते हैं)

(ख) गच्छतः .... (जाता है, दो जाते हैं, सब जाते हैं)

(ग) खादति .... (खेलता है, खाता है, खोदता है)

(घ) क्रीडति .... (घूमती है, खेलती है, रोता है)

(ङ) पश्यन्ति .... (देखती है, दो देखते हैं, सब देखती हैं)

(च) रक्षतः .... (रक्षा करते हैं, रक्षा करता है, दो रक्षा करते हैं)

मूल्यपरकम्

1. किम् त्वम् स्वकार्यम् स्वयमेव करोषि? (क्या तुम अपना काम स्वयं करते हो?)
2. किम् त्वम् पठनकाले पठसि क्रीडाकाले च खेलसि? (क्या तुम पढ़ने के समय पढ़ते हो और खेलने के समय खेलते हो?)

क्रियाकलापः

- छात्रों से अकारान्त पुंल्लिग, आकारान्त स्त्रीलिंग और नपुंसकलिंग शब्दों का एक शब्दकोष बनवाएँ जो संस्कृत शब्दों और चित्रों से भरपूर हो। इसी प्रकार उन्हें प्रेरित करें कि वे चित्रों के माध्यम से कुछ क्रियाओं को भी निरूपित करें; जैसे–

(क)

पचति

(ख)

नृत्यतः

(ग)

....

(घ)

....

(ङ)

....

(च)

....

© New Saraswati House (India) Private Limited

सूक्तिः

॥ धर्मं चर ॥

(धर्म पर चलो।)

उत्तरमाला

प्रश्न.1—1. पठ्   2. वद्   3.धाव्

प्रश्न.2—क. लिख्

ख.दृश्

ग.धाव्

घ.खाद्

ङ.पत्

प्रश्न.3— क. लिखतः ख.हसन्ति

ग. पठति घ.नृत्यन्ति

ङ. धावतः च.पिबन्ति

प्रश्न.4— क. कूजते हैं

ख.दो जाते हैं।

ग. खाता है।

घ.खेलती है।

ङ. सब देखती हैं।

च. दो रक्षा करते हैं

धन्यवाद: